ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
डा० राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा,समस्तीपुर (बिहार)-८४८ १२५

बुलेटिन संख्या-५५
दिनांक-शुक्रवार,१२ जुलाई,२०१६

विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय वेद्यशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः ३०.१ एवं २५.५ डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता ९४ सुबह में एवं दोपहर में ७५ प्रतिशत, हवा की औसत गति ५.० कि०मी० प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पण ३.० मि०मी० तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन ०.० घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा ५ से०मी० की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में २८.० एवं दोपहर में ३०.३ डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में ७९.२ मि०मी० वर्षा रिकार्ड हुई।

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान

(१३-१७ जुलाई,२०१६)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा०आर०पी०सी०ए०यू०, पूसा,समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी १३-१७ जुलाई,२०१६ तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः-

- बिहार में फिलहॉल मानसून सक्रिय रहने की वजह से पूर्वानुमान की अवधि में बदलीनुमा मौसम बने रहने का अनुमान है। अगले २४-३६ घंटो के दौरान उतर बिहार के तराई जिलों में मध्यम से भारी एवं मैदानी जिलों में मध्यम बर्षा होने का अनुमान है। उसके बाद के २-३ दिनों के दौरान उतर बिहार के ज्यादातर क्षेत्रो में रुक रुक कर बर्षा होने की संभावना है।
- अधिकतम तापमान २७ से २९ डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है। न्यूनतम तापमान २३ से २५ डिग्री सेल्सियस के आस-पास रह सकता है।
- अगले २-३ दिनों के दौरान उत्तर बिहार में औसतन ८ से १० कि०मी० प्रति घंटा की रफ्तार से पछिया हवा तथा उसके बाद पुरवा हवा चलने का अनुमान है।
- सापेक्ष आर्द्रता सुबह में ९० से ९५ प्रतिशत तथा दोपहर में ७५ से ८० प्रतिशत रहने की संभावना है।

• समसामयिक सुझाव

- विगत पूर्वानुमान की अवधी में उतर बिहार में अनेक स्थानों पर मध्यम से भारी वर्षा हुई है। मौसम पूर्वानुमान की अवधि में बर्षा की संभावना को देखते हुए जिन किसानों के पास धान का विचड़ा तैयार हो वे नीची तथा मध्यम जमीन मेँ वर्षा जल का संग्रह करने के लिए मेड़ों को मजबूत बनाने का कार्य करें तथा धान की रोपनी करें। धान की रोपाई के समय उर्वरकों का व्यवहार सदैव मिट्टी जाँच के आधार पर करें। यदि मिट्टी जाँच नहीं कराया गया हो तो मध्यम एवं लम्बी अवधि की किस्मों के लिए ३० किलोग्राम नेत्रजन, ६० किलोग्राम स्फुर एवं ३० किलोग्राम पोटाश के साथ २५ किलोग्राम जिंक सल्फेट या १५ किलोग्राम प्रति हेक्टर चिलेटेड जिंक का व्यवहार करें।
- धान की फसल में खरपतवार नियंत्रण के लिए रोपाई के २-३ दिन बाद तथा एक सप्ताह के अन्दर ब्यूटाक्लोर (३ लीटर दवा प्रति हेक्टेयर) या प्रीटलाक्लोर (१.५ लीटर दवा प्रति हेक्टर) या पेन्डीमिथेलीन (३ लीटर दवा प्रति हेक्टर) का ५००-६०० लीटर पानी मे घोल बनाकर एक हेक्टर क्षेत्र में छिड़काव करें। छिड़काव के वक्त खेत में एक से०मी० पानी की उपस्थति रहनी चाहिए।
- खड़ी फसलों अथवा नर्सरी में जमा हुए अधिक वर्षा जल के निकासी की व्यवस्था करें। कद्दुवर्गीय सब्जियों को उपर चढ़ाने की व्यवस्था करें ताकि वर्षा से सब्जियों की लत्तर को गलने से बचाया जा सकें।
- वर्तमान मौसम पौधशाला में आद्रगलन (डेम्पिग ऑफ) रोग के विस्तार के लिए अनुकूल है। यह एक कवक द्वारा फैलने वाला मृदा जनित रोग है, जिसमें पौधशाला के नवजात अंकुरित पौध के तने जड़ के ऊपर भूमि के पास से सड़ जाते हैं और पौध मर जाते हैं। रोग की तीव्रता की स्थिती में रोग ग्रस्त पौध क्यारीयों में गुच्छों में दिखतें हैं। कभी-कभी पूरा नर्सरी नष्ट हो जाता है। इस रोग से वचाव हेतु ट्राइकोडरमा से मृदा उपचार कर उपचारित बीज की बुआई करें। सघन बीज नहीं गिरावें, अधिक गहराई में बीज की बुआई नहीं करे। जल निकास की उचित व्यवस्था रखें। पौधशाला में रोग की विस्तार की स्थिति में कॉपर आक्सीक्लोराइड २.५ ग्राम प्रति लीटर पानी की दर से घोल बनाकर समान रुप से छिड़काव करें।
- प्याज की बीजस्थली में जहाँ बिचड़े १५ से २० दिनों के हो गये हों, में खर-पतवार निकालें। पौधशाला को वर्षा से बचाने के लिए ४० % छायादार नेट से ६-७ फीट की ऊचाई पर ढ़कने का कार्य करें। आर्द्रगलन (डेम्पिंग ऑफ) रोग की नियमित रुप से निगरानी करते रहें।
- फलदार पौधो का बगान लगाने का यह समय उत्तम चल रहा है। किसान भाई अपनी पसंद के अनुसार आम, लीची, ऑवला, अमरुद, कटहल, शरीफा, नींबु के स्वस्थ पौधों को अधिकृत नर्सरी से खरीद कर रोपनी कर सकते हैं। रोपाई के पहले, प्रति गड्ढ़ा ४० से ५० किलोग्राम सड़ी गोबर का प्रयोग अवश्य करें। जब वर्षा हो रही हो तो रोपनी नहीं करें।
- किसान भाई अपने पसंद के अनुसार अलग-अलग समय में पकने वाली आम की किस्मों का चयन कर सकते हैं। मई के अन्त से जून माह में पकने वाली किस्में मिठुआ, गुलाबखास, बम्बई, एलफॉन्जों, जड़दालू, जून माह में पकने वाली किस्में लंगड़ा (मालदह), हेमसागर, कृष्णभोग, अमन दशहरी, जुलाई माह में पकने वाली किस्में फजली, सुकुल, सिपिया, तैमूरिया, अगस्त में पकने वाली किस्में समरबहिश्त, चौसा, कतिकी है। आम के संकर किस्मों के लिए महमूद बहार, प्रभाशंकर, अम्रपाली, मल्लिका, मंजीरा, मेनिका, सुन्दर लंगड़ा राजेंद्र आम-१, रत्ना, सबरी, जवाहर, सिंधु, अर्का, अरुण, मेनका, अलफजली, पूसा अरुणिमा आदि अनुशंसित है। कलमी आम के लिए पौधा से पौधा की दुरी १० मीटर, बीजु के लिए १२ मीटर रखें। आम्रपाली किस्म की सघन बागवानी हेतु पौधों को २.५ X २.५ मीटर की दूरी पर लगा सकतें हैं।
- लीची के लिए, मई के अन्त में पकने वाली किस्में जैसे देशी, शाही, अर्ली वेदाना, देहरारोज, पूर्वी तथा रोज सेण्टेड, जून के आरंभ में पकने वाली किस्में जैसे- कसवा, सबौर वेदाना, चाईना तथा लेट बेदाना, जून के मध्य में पकने वाली किस्में जैसे- कसैलिया, लौंगिया, स्वर्णरुपा, सबौर मधु, सबौर प्रिया आदि हैं। उपजाऊ मिट्टी में १० X १० मीटर की दुरी पर पौधों की रोपाई करें।
- किसान भाई गौशाला में रात के समय नीम की पत्तियों का धुआं करें ताकि मच्छर तथा मक्खियों के प्रवेश पर नियंत्रण हो सके। पशुओं के निवास स्थान की साफ-सफाई करते रहे।

आज का अधिकतम तापमानः २९.० डिग्री सेल्सियस, सामान्य से ३.६ डिग्री सेल्सियस कम	आज का न्यूनतम तापमानः २४.७ डिग्री सेल्सियस, सामान्य से १.० डिग्री सेल्सियस कम

नोडल पदाधिकारी